B-3
L-17
Indian Society

15-12-2023

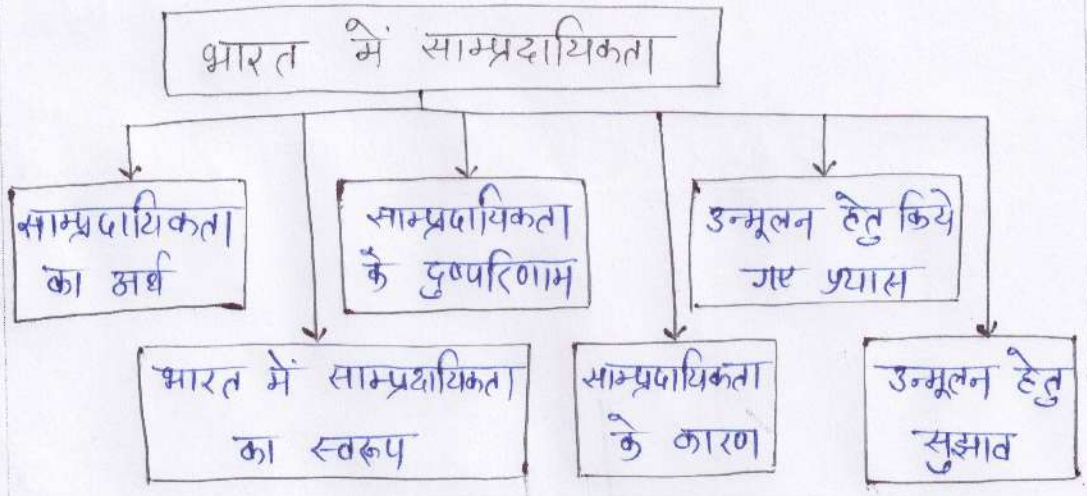

A साम्प्रदायिकता का अर्थ →

दो धार्मिक समुदाय का या एक ही धर्म के दो संप्रदायों के मध्य धार्मिक संदर्भ में घृणा, ईर्ष्या एवं परस्पर अविश्वास के मनोभाव को साम्प्रदायिकता की संज्ञा दी जाती है। और इस प्रकार के मनोभाव से उत्पन्न संघर्ष को साम्प्रदायिक दंगा या साम्प्रदायिक हिंसा कहा जाता है।

साम्प्रदायिकता, धार्मिकता (Religiousity) से भिन्न होती है और राजनीति से गहन रूप से जुड़ी होती है क्योंकि एक साम्प्रदायिक व्यक्ति का अपने धर्म से अत्यधिक लगाव हो यह आवश्यक नहीं है परंतु इससे उसके राजनीतिक हितों की पूर्ति

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

होती है, यह आवश्यक है।

B भारत में साम्प्रदायिकता की प्रकृति -

1. हिन्दू मुस्लिम साम्प्रदायिकता
2. हिन्दू ईसाई साम्प्रदायिकता

C भारत में साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम

1. सामुदायिक सौहार्द्रता कमजोर
2. राष्ट्रवाद की भावना कमजोर
3. राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को खतरा
4. साम्प्रदायिक दंगों के परिणामस्वरूप जान-माल की हानि, निवेश में कमी और आर्थिक विकास बाधित
5. आधुनिक समाज एवं धर्मनिरपेक्ष समाज के निर्माण की प्रक्रिया बाधित
6. राजनीतिक अस्थिरता एवं बहुसंख्यकों के राजनीतिक प्रभुत्व का खतरा

D भारत में साम्प्रदायिकता के कारण :

1. अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

2. भारतीय मुस्लिमों का पाकिस्तान के प्रति स्वाभाविक सहानुभूति का हिंदू जनमानस द्वारा नकारात्मक विश्लेषण।

3. शाह बानो प्रकरण, तीन तलाक का मुद्दा आदि का राजनीतिक दलों द्वारा स्वार्थपूर्ण विवेचन।

4. वैश्वीकरण जनित धार्मिक कट्टरतावाद एवं धार्मिक नृजातीयता में वृद्धि।

5. धार्मिक कट्टरपंथियों एवं राजनीतिक दलों की नकारात्मक भूमिका।

6. अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी आदि।

7. विदेशी शक्तियों एवं मीडिया की नकारात्मक भूमिका

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

भारत में साम्प्रदायिकता उन्मूलन के लिए किए गए प्रयास :-

1. स्वतंत्रता के बाद भारत के लिए धर्मनिरपेक्ष राज्य की घोषणा

2. अल्पसंख्यकों को विशेष संरक्षण और सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके विकास के प्रयास

3. 1961 में राष्ट्रीय एकता परिषद तथा 1992 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन।

4. 1976 में राष्ट्रीय एकीकरण हेतु गठित कार्यदल द्वारा साम्प्रदायिक सद्भाव के लिये सात-सूत्री कार्यक्रम एवं उनका क्रियान्वयन।

5. विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं और गैर-सरकारी संगठनों ("अखंड भारत", "विश्व शांति" आदि) द्वारा इस दिशा में किये गये प्रयास।

6. समय समय पर न्यायालय द्वारा इस दिशा में दिया गया निर्देश तथा कानून द्वारा मीडिया को नियंत्रित करने का प्रयास।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR